कक्षा - 8

विषय - हिन्दी

पाठ -3.अनोखी मदद

मौखिक प्रश्नोंत्तर

प्र०(1) घर के बगीचे में कौन-सा पेड़ था ?

उ०- सहजन का

प्र०(2) कुछ रात बीते कौन आता था ?

उ०- एक कुँजड़िन

प्र०(3) दिवाली के बाद कुलीन परिवार के यहाँ कौन आया ?

उ०- उनका एक रिश्तेदार आया।

प्र०(4) किसने पेड़ को काटकर धरती पर गिरा दिया ?

उ०- मेहमान ने

लघुत्तरीय प्रश्न

प्र०(1) कुलीन परिवार को खाने-पीने के लाले क्यों पड़ने लगे ?

उ०- खानदानी इज़्ज़त बनाए रखने के लिए कोई नौकरी नहीं करता था।घर की बढ़ती गरीबी के कारण पूरी जायदाद बरबाद हो चुकी थी ।

,प्र०(2) खाना न खाने के लिए पहले तीन भाइयों ने क्या-क्या बहाना बनाया ?

उ०- बड़े भाई ने कहा,आज मेरा सोमवार का व्रत है।दूसरे ने कहा ,मेरे पेट में दर्द् है डॉ० ने खाने से मना किया है।तीसरे ने कहा , मुझे अपने दोस्त के यहाँ दावत में जाना है ।

प्र०(3) रात को सोने का नाटक कर रहे मेहमान ने क्या देखा ?

उ०-रात दस बजे एक कुँजड़िन आई ।बड़े भाई दबे पाँव बहुत ही सावधानी से सहजन की फलियाँ तोड़कर कुँजड़िन को बेचा।कुँजड़िन बाजार में सहजन की माँग कम बताकर दाम घटा दी। मेहमान के जग जाने के डर से अपनी इज्जत बचाने के लिए बड़े भाई ने कुँजड़िन जितना पैसा दी उतना ही ले लिया।

प्र०(4) कुँजड़िन के चले जाने के बाद मेहमान ने क्या सोचा?

उ०-प्रतिष्ठित खाऩदान है। चारों भाई पढ़े-लिखे और हुनरमंद हैं ।फिर भी कोई काम नहीं करता झूठी इज़्ज़त बनाए रखने के लिए यह परिवार कष्ट में गुज़ारा कर रहा है।

प्र०(5) पेड़ कट जाने पर बड़े भाई ने माँ से क्या कहा ?

उ०-जब तक हमारा बस चला,घर की पुश्तैनी इज्जत बचाई।न किसी की नौकरी की, न किसी के आगे हाथ फैलाया। लेकिन अब गुजारा मुश्किल है। कहीं ना कहीं काम ढूँढना ही पड़ेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र०(1) कुछ रात बीते कुँजड़िन कुलीन परिवार के घर क्यों आती थी ?

उ०- खानदानी परिवार था।कोई नौकरी नहीं करता था।उस घर के आंगन में एक सहजन का पेड़ था। सहजन की फलियों को बेचकर ही उस परिवार का गुजारा होता था,इसलिए कुछ रात बीते कुँजड़िन कुलीन परिवार के घर फलियाँ लेने आती थी।

प्र०(2)मेहमान को कैसे पता चला कि परिवार गरीबी का शिकार है **?**

उ०-भोजन परोसने पर तीन भाइयों ने बहाना बनाया,बूढ़ी माँ मेहमान से खाने का खूब आग्रह करती, लेकिन छोटे लड़के से एकबार भी नहीं

पूछती।इस प्रकार दो बार भोजन करने पर मेहमान को परिवार की गरीबी का पता चल गया।

प्र०(3)चारों भाइयों को नौकरी ढूँढ़ने में कोई परेशानी क्यों नहीं हुई?

उ०- चारो भाइयों की अच्छी इज़्ज़त थी।वे अपनी खानदानी इज़्ज़त और ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध थे। लोग उनसे अच्छा बर्ताव करते थे। इसलिए चारों भाइयों को नौकरी ढूँढने में कोई परेशानी नहीं हुई।

प्र(5) सवेरे उठकर बड़े भाई ने क्या देखा ?

उ०-मेहमान ग़ायब है,सहजन का पेड़ कटा पड़ा है ।

प्र०(6) घर में किस प्रकार का मातम छा गया?

उ०- किसी बुजुर्ग के मरने से जो मातम छा जाता है।